

यूपी में बैंकों ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को दिया लक्ष्य के सापेक्ष 200% कर्ज

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के मुताबिक नौ माह में हुआ लक्ष्य का दोगुने से अधिक वित्त पोषण

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा व सहायक गतिविधियों का विस्तार अब बैंकों के आंकड़ों में दिखने लगा है। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की रिपोर्ट के अनुसार बैंकों ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को लक्ष्य के सापेक्ष 201.35 फीसदी राशि का ऋण दिया है। वहीं, कृषि क्षेत्र से जुड़ी सहायक गतिविधियों को भी लक्ष्य के सापेक्ष 125.47 फीसदी ऋण दिया गया।

एसएलबीसी के मुताबिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए पूरे वर्ष का ऋण लक्ष्य 1609 करोड़ रुपये था लेकिन दिसंबर 2025 तक ही 3,240 करोड़ रुपये का ऋण वितरित कर दिया गया। यानी नौ माह में ही लक्ष्य का दोगुने से अधिक वित्त पोषण हो गया। इसी तरह कृषि सहायक गतिविधियों के लिए 22,694 करोड़ के लक्ष्य के



कृषि क्षेत्र से जुड़ी सहायक गतिविधियों को भी दिया लक्ष्य के सापेक्ष 125.47 फीसदी ऋण

सापेक्ष 28,473 करोड़ रुपये का ऋण दिया गया।

बैंकिंग क्षेत्र के विशेषज्ञ राजीव कुमार सिंह का कहना है कि यह बदलाव इन क्षेत्रों में तेजी से बढ़ते निवेश, बेहतर रिटर्न और कम जोखिम की धारणा का परिणाम है। बैंकों का भरोसा अब पारंपरिक क्षेत्रों से हटकर

सहायक गतिविधियों में भी दिख रहा ऋण प्रवाह

रूफटॉप सोलर सेक्टर में भी यूपी तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य में तीन लाख से अधिक रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाए जा चुके हैं और क्षमता 1000 मेगावाट से अधिक हो गई है। इससे छोटे उद्यमियों, उपकरण सप्लायर्स और सहायक यूनिटों को भी बड़ा कारोबार मिल रहा है। इसका असर सहायक गतिविधियों में ऋण प्रवाह पर दिखाई दे रहा है। कृषि उपकरण, कोल्ड स्टोरेज, डेयरी, फूड प्रोसेसिंग और सहायक सेवाओं से जुड़ी इकाइयों को बैंकों ने लक्ष्य से अधिक कर्ज दिया है। एमएसएमई सेक्टर में भी ऋण वितरण मजबूत बना हुआ है। दिसंबर 2025 तक एमएसएमई क्षेत्र को 2.57 लाख करोड़ रुपये से अधिक ऋण वितरित किया गया, यह सालाना लक्ष्य का 70.23 फीसदी है। खासतौर पर माइक्रो एंटरप्राइजेज को 85 फीसदी से अधिक लक्ष्य हासिल हो चुका है। डिफेंस कॉरिडोर में 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव जमीन पर उतर रहे हैं।

हरित ऊर्जा व सहायक उद्योगों पर बढ़ रहा है। प्रदेश में सौर ऊर्जा क्षेत्र में लगातार बड़े निवेश हो रहे हैं।

इन्वेस्ट यूपी की हालिया रिपोर्ट के अनुसार राज्य में 17 बड़े सोलर प्लांट्स के जरिये करीब 1,100 मेगावाट क्षमता विकसित हो चुकी है। इसमें लगभग 7,492 करोड़ रुपये का निवेश हुआ।

वहीं, यूपी सरकार ने वर्ष 2027 तक 20 हजार मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है। बुंदेलखंड समेत कई क्षेत्रों में बड़े सोलर पार्क विकसित किए जा रहे हैं। हाल ही में एनएचपीसी ने जालौन में 1,200 मेगावाट का सोलर पार्क विकसित करने की योजना घोषित की है।